

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 04 अक्टूबर 2026 वर्ष-9,अंक-243 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com



www.facebook.com/krantisamay1



www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन ने की तारीफ, बोले-दिल्ली का शांति प्रस्ताव सबसे बेहतर

भारत का ‘फॉर्मूला’ खत्म कराएगा यूक्रेन-रूस युद्ध !

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने रूस से चल रहे युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत से मिले प्रस्ताव की जमकर तारीफ की है। उनका कहना है कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यापक और विस्तृत प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों में से दिल्ली की ओर से मिला प्रस्ताव सबसे व्यापक है। कीव में पत्रकारों से बात करते हुए सिबिहा ने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। पहली बार भारत ने इसमें भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। यूक्रेन ब्लैक सी (काला सागर) में ऊर्जा और कृषि से जुड़े समझौते (ट्रस) के लिए तैयार है, और संपर्क रेखा (लाइन ऑफ कॉन्टैक्ट) पर बिना शर्त युद्धविराम पर भी विचार कर रहा है। भारत के अलावा, यूक्रेन को तुर्की, मिस्र और अमेरिका से



भी संभावित युद्धविराम के प्रस्ताव मिले हैं। सिबिहा के अनुसार, यूक्रेन युद्धविराम के लिए इस शर्त पर सहमत होगा कि इसमें ना केवल सैन्य कार्रवाई, बल्कि ऊर्जा और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकना और ब्लैक सी की स्थिति में सुधार भी शामिल हो।

हम ऊर्जा और ब्लैक सी में

युद्धविराम के लिए तैयार हैं

उन्होंने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। हम ऊर्जा और ब्लैक सी में युद्धविराम के लिए तैयार हैं लेकिन केवल इसी संयोजन में ये होगा। तुर्की और मिस्र ने भी इसी तरह की पहल का प्रस्ताव दिया है। उनके प्रस्तावों में ब्लैक सी में युद्धविराम की बात कही गई है, जिससे यूक्रेनी अनाज के निर्यात को फिर से शुरू करने के लिए हालात बन सकेंगे। अमेरिका ने भी अपना प्रस्ताव पेश किया है। वाशिंगटन का अग्रह यूक्रेन और रूस से ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने के समझौते पर सहमत होने का है। सिबिहा ने कहा कि कीव सीधे फ्रंटलाइन (मोर्चे) पर व्यापक युद्धविराम पर विचार करने के लिए तैयार है। वल्दाई डिस्कशन क्लब के सालाना विदेशी नीति भाषण में पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और दोस्ताना रिश्तों, और व्यक्तिगत अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते हैं। उन्हें इसका समाधान खोजने में गहरी दिलचस्पी है और उनके पास बहुत अच्छे विचार हैं। पुतिन ने कहा कि स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री मोदी निष्पक्ष रुख अपनाते हैं लेकिन साथ ही संघर्ष को खत्म करने में भी उनकी दिलचस्पी है।

लोग अपनी समस्याएं भेजें, मैं संसद से सड़क तक साथ हूं

अन्याय के खिलाफ राहुल गांधी ने शुरू की ‘सत्याग्रह’ पहल

कहा-महात्मा गांधी ने भी लोगों से जुड़ने यही तरीका अपनाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूँ। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के ‘सत्याग्रह’ से जुड़ा है।



● अकेले लड़ने वालों की आवाज दब जाती है- राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जैन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है। सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है। बापू ने यही सिखाया था - सच सबसे बड़ा हथियार है। पर उससे भी बड़ा हथियार है, एकता में सच के साथ खड़े होना।

एशियन गेम्स में फिर से किया ‘धमाल’

● रेसलर अमन सहरावत ने चला सोने वाला दांव ● मैस क्रिकेट, हॉकी, गोल्फ और तीरंदाजी में भी मार लिया मैदान



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मैस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता।

● **क्रिकेट** : भारत ने जीता गोल्ड, पाकिस्तान को 15 रन से हराया - भारत ने मैस क्रिकेट फाइनल में पाकिस्तान को 15 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। भारत के 211 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान के हसन नवाज ने शानदार पारी खेलते हुए 96 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

तीरंदाजी: कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में गोल्ड जीता

महिला रिकर्व के फाइनल में भारत की कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया की ओह ये जिन को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। शूट-ऑफ में ओह ये जिन ने 8 का निशाना लगाया, जबकि कुमकुम ने 10 अंक हासिल किए। इसके साथ ही कुमकुम एशियन गेम्स की चौथी पदक जीत चुकी हैं। कुमकुम महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के लिए एशियन गेम्स मेडल जीतने वाली पहली तीरंदाज हैं। उन्होंने पहली बार इस स्पर्धा में भारत को गोल्ड दिलाया है।

टीवीके कैंडीडेट को

‘सूटकेस बामा’ कहने पर घिरे स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सत्तारूढ़ टीवीके, विपक्ष डीएमके और एआईडीएमके बीच चुनाव घमासान के बीच बांडी शेर्मिंग का विवाद चुनाव आयोग पहुंच गया है। मुख्यमंत्री थलपति विजय की अगुवाई वाली



टीवीके ने पूर्व सीएम एम के स्टालिन के खिलाफ आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। डीएमके चीफ स्टालिन पर आरोप है कि उन्होंने टीवीके की धारापुरम उपचुनाव में कैंडीडेट सत्यभामा पर तंज कसा। उन्हें पेटी बामा (सूटकेस बामा) कहा। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके की जीत के बाद धारापुरम से एआईडीएमके के टिकट पर जीती सत्यभामा ने इस्तीफा देकर विजय की पार्टी जॉइन की थी।

नकली थी 2021 में ममता बनर्जी की पैर की चोट

नंदीग्राम में वोटिंग से पहले सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने दिखाए दस्तावेजी सबूत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों के उपचुनाव की वोटिंग से पहले मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी ने 2021 में ममता बनर्जी के लॉग इंजरी को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। शुभेंद्र अधिकारी ने कहा है कि ममता बनर्जी ने पांच साल पहले 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर की चोट का नाटक किया और नंदीग्राम का अपमान किया। शुभेंद्र अधिकारी ने बांगूर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज की मेडिकल रिपोर्ट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि 11 मार्च, 2021 के दस्तावेज में साफ तौर पर लिखा था कि फ्रैक्चर का कोई सबूत नहीं है। गौरतलब हो कि 2021 के चुनावों में ममता को चोट लगी थी।



शुभेंद्र अधिकारी बोले-सरकार करेगी जांच

सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने ऐलान किया है कि राज्य सरकार इसकी जांच शुरू करेगी और उपचुनाव खल होने के बाद आगे के कदम बताए जाएंगे। एक दिन पहले सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने ममता बनर्जी की 2021 की चोट नकली बताई थी। तब उन्होंने कहा था कि उनके पास सबूत हैं। शनिवार को सीएम शुभेंद्र अधिकारी ने दस्तावेज भी दिखाए। टीएमसी ने 2021 में दावा किया था कि नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के वक्त पर ममता बनर्जी को चोट लगी थी। शुभेंद्र ने कहा था कि मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं अस्पताल गया था।

2029 तक एमपी को करेंगे नशामुक्त, शाह ने किया वादा

कहा-देश के टॉप 5 दूध उत्पादक राज्य बीजेपी शासित

● कहा-कांग्रेसियों ने 75

साल तक सहकारिता

मंत्रालय बनने नहीं दिया

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करेंगे। भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर हुए 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में उन्होंने गोशालाओं को 101 करोड़ दिए। उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वचुअली भूमिपूजन किया। शाह ने भीरी में आइसर् के अंत्रि परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया।



कांग्रेसी विरोध करते हैं, मैं हिसाब देने आया हूं

शाह ने कहा- कांग्रेसी हमारा विरोध करते हैं। मैं आज उनको हिसाब देने आया हूँ। आपने 75 साल में देश में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन पहुंचाया था। मोदी जी ने 10 साल में 25 करोड़ तक पहुंचाने का काम किया है। ये इसलिए होता है कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें लगन से काम कर रही हैं। प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 2014-15 में 307 ग्राम था, अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम पर पहुंच गया है। हमारा देश दुनियाभर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश बना है।

आपके बेटे-बेटी के लिए

नशे की जगह नहीं होगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा- मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। मध्यप्रदेश 31 दिसंबर 2029 के पहले नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए, इस प्रकार की बारीक प्लानिंग आज करना चाहते हैं। मध्यप्रदेश के सारे अभिभावकों को, विशेष कर माताओं को कहने आया हूँ आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह ही नहीं होगी, उनका उज्ज्वल भविष्य होने वाला है। शाह ने कहा- देश आजाद हुआ तब से मांग थी कि भारत सरकार में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बने, मगर कांग्रेसियों ने 75 साल तक बनने नहीं दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। इसका सबसे बड़ा फायदा किसी को होने वाला है तो मेरे सामने बैठे गोपालकों को होने वाला है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को मिली बड़ी राहत

● सुनवाई टली, अब अगली तारीख 30 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एक्ज्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। कोर्ट में सुनवाई टलने के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को फिलहाल 30 अक्टूबर तक राहत मिल गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी



होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

संक्षिप्त

समाचार

कंटेनर-डंपर में

टक्कर के बाद भीषण

आग, 2 जिंदा जले

● सीट से चिपके मिले शव, सिर्फ हड्डियां बचीं, आगरा में दोनों गाड़ियां जलकर राख

आगरा (एजेंसी)। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर सवार 2 हेल्पर की जींदा जलकर मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बचीं हैं। वहीं, कंटेनर चालक और पास से गुजर रहे बाइक सवार भीभीर रूप से



झुलस गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5-45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान हाईवे पर 5 किमी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाई। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के निवासी आकाश (25) और रवि (24) के रूप में हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 36 किमी दूर खंदौली थाना क्षेत्र के पास हुआ।

तिरुपति की फार्मा

कंपनी में बॉयलर

फटा, 5 की मौत

10 लोग गंभीर घायल, श्री सिटी में

हादसे के बाद रेस्वयू जारी

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है।



धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेदु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीम में मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है।

पुतिन की परमाणु चेतावनी और भारत की शांति नीति

(लेखक - कांतिलाल मांडोट)

हमला हुआ तो सारे हथियार इस्तेमाल करेंगे पुतिन की परमाणु चेतावनी से बढ़ा तनाव

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजा बयान ने यूरोप और दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मॉस्को में वाल्टाई फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के किसी भी क्षेत्र पर हमला हुआ तो रूस अपनी सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने विशेष रूप से कलिनिनग्राद का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि नाटो देश इस रूसी क्षेत्र को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश करते हैं तो रूस तत्काल जवाब देगा। उनके बयान को पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रूस और नाटो के बीच यूक्रेन युद्ध के बाद से सैन्य और राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ा है।

कलिनिनग्राद रूस का ऐसा क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से रूस के मुख्य भूभाग से अलग है। यह बाल्टिक सागर के किनारे पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और चारों ओर से नाटो के सदस्य देशों के निकट है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से यह क्षेत्र सोवियत संघ और बाद में रूस के नियंत्रण में है। रूस के लिए कलिनिनग्राद केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां रूस की बाल्टिक नौसेना की मौजूदगी है और क्षेत्र में आधुनिक सैन्य प्रणालियां तैनात हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति रूस को बाल्टिक सागर तथा यूरोप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने की क्षमता देती है।

पुतिन ने अपने बयान में पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आने वाले वर्षों में रूस के साथ संभावित युद्ध की बातें की जा रही हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में होने वाले सैन्य अभ्यासों और रूसी जहाजों को लेकर उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। रूस की ओर से यह दावा भी किया गया है कि नाटो कलिनिनग्राद की हवाई और समुद्री नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। हालांकि नाटो ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि रूस पर हमला करने या कलिनिनग्राद को निशाना बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है।

नाटो की ओर से रूस की परमाणु धमकियों पर आपत्ति जताई गई

संपादकीय

एसआईआर और पढ़ाई

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटेसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएं, जहां लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटेसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटेसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएं नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफ़ी समय वोटर वेरिफिकेशन, मीटिंग और आंकड़े जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है? निस्संदेह, स्पेशल इंटेसिव रिविजन का कार्य अपने आप में लोकतंत्र में पारदर्शिता के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कार्य है। लेकिन वहीं दूसरी ओर एक तथ्य सर्वविदित भी है कि ‘शिक्षा के अधिकार अधिनियम’ की धारा 27 शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई के अलावा अन्य कामों में लगाने से रोकती है। लेकिन इसके साथ ही चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण कामों, जैसी कुछ खास स्थितियों में इसकी इजाजत दी जा सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस बात पर बल दिया है कि स्पेशल इंटेसिव रिविजन के काम को शिक्षकों पर असहनीय बोझ नहीं बनने दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि तुरंत इस स्थिति में सुधार करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आने वाले दिनों में जब शिक्षक नियमित रूप से क्लास लेने लगेंगे तो नये सिरे से स्कूलों में छात्रों की पढ़ाई को सामान्य बनाया जा सकता है। हमें यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले महीनों में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान छात्रों की पढ़ाई का जो भी नुकसान हुआ है, उसकी अविलंब भरपाई की जानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पढ़ाई में पैदा हुए व्यवधान से छात्रों का कोई बड़ा नुकसान न हो।

है। नाटो का कहना है कि वह रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियां रूस के किसी क्षेत्र पर हमला करने के उद्देश्य से नहीं हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने भी रूस से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां बंद करने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि यूक्रेन ने युद्ध का असर केवल रूस और यूक्रेन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और रूस तथा नाटो के संबंधों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है।

बाल्टिक सागर में पिछले कुछ समय से नाटो के सैन्य अभ्यास भी तनाव का एक कारण बने हुए हैं। नाटो ने समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। रूस इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के नजरिए से देखता है, जबकि नाटो इन्हें सदस्य देशों और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा से जोड़ता है। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की गतिविधियों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं।

परमाणु हथियारों के संदर्भ में पुतिन का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय रहा है। रूस दुनिया की प्रमुख परमाणु शक्तियों में शामिल है और नाटो में भी अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस जैसी परमाणु शक्तियां हैं। ऐसे में किसी भी सैन्य संकट में परमाणु हथियारों का उल्लेख अंतरराष्ट्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देश रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे संघर्ष से बचने तथा बातचीत का रास्ता बनाए रखने पर जोर देते रहे हैं। इसी प्रभूमि में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस के साथ भारत के लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी संबंध हैं। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष और रणनीतिक सहयोग सहित अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच व्यक्तिगत संवाद भी लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के मामले में रूस का समर्थन करने के बजाय लगातार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान का पक्ष रखा है। पुतिन ने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताते हुए कहा है कि मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की बात उठाते हैं। उनका कहना है कि मोदी हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर चर्चा करते हैं तथा उनके पास इस दिशा

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

जिनकी जुबां नहीं, उनकी संवेदनाएं तो समझें

(विश्व पशु कल्याण दिवस (4 अक्तूबर) पर विशेष)

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ‘विश्व पशु कल्याण दिवस’ मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फासिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी ‘नेचर वॉच फाउंडेशन’ द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है।

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव

में उपयोगी सुझाव हैं। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के उस दृष्टिकोण को सामने लाती है जिसमें मित्र देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति का संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का दौर युद्ध का नहीं है और समस्याओं का समाधान बातचीत तथा कूटनीति से होना चाहिए। रूस की यात्रा के दौरान भी उन्होंने स्पष्ट किया कि गोलियों, बमों और युद्ध के मैदान से शांति का रास्ता नहीं निकल सकता। यूक्रेन यात्रा के दौरान भी भारत ने शांति प्रयासों में सहयोग की इच्छा जताई थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत ने युद्ध समाप्त करने और स्थायी शांति की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

भारत और रूस के संबंधों की खासियत यही है कि दोनों देशों के बीच मित्रवत संबंध होने के बावजूद भारत ने युद्ध को लेकर अपने स्वतंत्र दृष्टिकोण को कायम रखा है। रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी के बावजूद भारत ने यह संदेश दिया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच संवाद में भी यूक्रेन युद्ध का विषय सामने आता रहा है। भारत का जोर इस बात पर है कि बातचीत के माध्यम से ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे संघर्ष समाप्त हो और स्थायी शांति स्थापित हो सके।

पुतिन ने भारत की विविधता और एकता की भी प्रशंसा की है। उन्होंने भारत की विशाल आबादी, अनेक भाषाओं और विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं के बावजूद लोगों के साथ मिलकर रहने की क्षमता को उल्लेखनीय बताया। उनके अनुसार भारत की विविधता दुनिया के लिए सीख का विषय हो सकती है। यह टिप्पणी दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंधों के साथ-साथ सांस्कृतिक समझ को भी दर्शाती है।

वर्तमान परिस्थितियों में पुतिन की परमाणु चेतावनी और नाटो की प्रतिक्रिया के बीच दुनिया को सबसे अधिक जरूरत संयम और संवाद की है। रूस और नाटो के बीच सीधा संघर्ष केवल यूरोप तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसलिए भारत जैसे देशों की कूटनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत रूस से अपने संबंध बनाए रखते हुए पश्चिमी देशों के साथ भी संवाद करता है और लगातार बातचीत से

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है।

विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष ‘विश्व पशु कल्याण दिवस’ की थीम है ‘उनकी नजरों से दुनिया को देखें’। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को ‘पशुधन’ कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है।

मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि घरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेदर्री से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास

समाधान की वकालत करता रहा है।

रूस की सुरक्षा चिंताओं और नाटो की चिंताओं के बीच मतभेद गंभीर हैं, लेकिन परमाणु हथियारों की धमकी किसी भी स्थिति को और जटिल बना सकती है। पुतिन का यह संदेश कि रूस पर हमला हुआ तो वह अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा, दुनिया के लिए चेतावनी है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव को हल्के में नहीं लिया जा सकता। वहीं भारत का लगातार यह कहना कि युद्ध के बजाय संवाद और कूटनीति से समाधान निकाला जाना चाहिए, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति में उसके स्वतंत्र कूटनीतिक दृष्टिकोण को सामने रखता है।

रूस से मित्रता कायम रखते हुए युद्ध खत्म कराने पर मोदी का जोर

भारत और रूस के संबंधों में मित्रता और रणनीतिक सहयोग पुराना है, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने भारत के सामने कूटनीतिक संतुलन की चुनौती भी रखी है। भारत ने रूस के साथ संवाद जारी रखा है और साथ ही पश्चिमी देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत बनाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश लगातार यही रहा है कि युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत जरूरी है। पुतिन द्वारा मोदी के इस रुख का उल्लेख यह दिखाता है कि भारत की शांति संबंधी अपील रूस तक सीधे पहुंच रही है।

आज जब यूरोप में सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनियां सामने आ रही हैं, तब दुनिया को टकराव से बचाने के लिए कूटनीतिक रास्तों को खुला रखना आवश्यक है। रूस और नाटो के बीच अविश्वास कम करना आसान नहीं है, लेकिन संवाद बंद हो जाने की स्थिति किसी भी संकट को और गंभीर बना सकती है। भारत ने इसी कारण दोनों पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने और युद्ध के स्थान पर बातचीत को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई है। रूस के साथ भारत की मित्रता इस बात में बाधक नहीं बनी कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के सामने युद्ध समाप्त करने की आवश्यकता रखी। यही भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि मित्रता के साथ अपने राष्ट्रीय हित और शांति के सिद्धांतों को भी महत्व दिया जाता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिंसक होकर विनाश कर सकते हैं।

तुर्की के विख्यात नाटककार, उन्प्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटोन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढ़ेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। ‘जैव विविधता के जनक’ के नाम से विख्यात आधुनिक काल के जॉर्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और ‘जॉय ऑफ बीएस’ सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोव्ल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त सारे’ के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्य्क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मन-प्रदेश में उचित रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि

दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निंदरेश, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेई हर शक्ति का पुंज है। तुम परमेई के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के सशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के

विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान

शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पण्डित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्ये को जागृत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा वाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अश्रय पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

बिहार और पश्चिम बंगाल में तो गजब हो गया। अब इन सारे मामलों में यह साबित हो गया है, चुनाव आयोग ने पार्टी विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए यह सारी गड़बड़ियों को लाइन में खड़ा कर दिया है। एसआईआर से बहाने जितने तरह के दस्तावेज मतदाताओं से मांगे गए उनकी पूर्ति कर पाना संभव ही नहीं था। दिल्ली की एसआईआर ने आग में घी डालने का काम किया। चुनाव आयुक्त सिद्धू भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं, जिसमें सांसद कपिल सिब्बल की शामिल कर जब उनके नाम एसआईआर में कटें उसके बाद बवाल मच गया था। जिसकी परिणीति अब राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन के रूप में हो रही है।

गांधी जयंती पर चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध देश भर में प्रदर्शन

(लेखक- सनत जैन)

भारत में पहली बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तानाशाही व मनमानी को लेकर सारे देश में विरोध प्रदर्शन और आंदोलन देखने को मिल रहा है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि 2 अक्टूबर गांधी जी की जयंती के अवसर पर देशभर में धरने-प्रदर्शन हुए। आंदोलनकारियों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया, लेकिन इस प्रदर्शन की एक खासियत यह भी रही कि प्रदर्शनकारी आक्रामक रहे, लेकिन उन्होंने अपनी सीमा रेखा को नहीं तोड़ा। विशेष रूप से तब जब कॉंक्रीट जनात पार्टी के युवाओं ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन करके यह बता दिया है कि वह अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति सजग हैं। मुंबई के

शिवाजी पार्क जैसे इलाके में बिना परमिशन के हजारों की संख्या में आंदोलनकारी जुटे। पुलिस ने भी संयम का प्रदर्शन किया। बिना परमिशन के आंदोलन में कोई सख्ती नहीं की, जिसके कारण आंदोलन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। वहीं दिल्ली के जंतर मंतर में सभी विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता और युवाओं ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। यहां पर भी प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन इस प्रदर्शन की खासियत यह है कि आंदोलनकारी हर हाल में ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा चाहते हैं। इस्तीफा नहीं होने तक आंदोलन देशभर में फैलता जाएगा। इस बात की आशंका दिखने लगी है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने 2017 के बाद से जिस तरह से सॉफ्टवेयर और ईवीएम मशीन के प्रोग्राम में

बिना राजनीतिक दलों को विश्वास में लिए हुए बड़े-बड़े परिवर्तन किये। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के समय में एक राज्य के मतदाता दूसरे राज्य में फ्लोटिंग वोटर के रूप में इस्तेमाल किए गए। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा और महाराष्ट्र का चुनाव विवादों में रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र में की गई धांधली को उजागर भी किया, लेकिन चुनाव आयोग और सरकार ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। विपक्षी दलों ने भी चुप्पी साध रखी थी। इसके बाद बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में एसआईआर का जो नया खेल वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खेला, पोटल में ऐसे-ऐसे परिवर्तन कराए जिसके कारण बीएलओ और रीजनल इलेक्शन ऑफिसर

के अधिकार भी केंद्रीय चुनाव आयोग ने अपने हाथ में ले लिए। करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे गए। फॉर्म नंबर 6 में इस तरह से परिवर्तन किए गए जिनकी कान्यास करना मतदाताओं के लिए संभव ही नहीं थी। चुनाव आयोग के पोर्टल से सीधे मतदाताओं को नॉटिस भेजे गए। उन्हीं मतदाताओं को केंद्रीय पोर्टल में स्वीकार किया गया जो केंद्रीय चुनाव आयोग करना चाहता था। फार्म 17 और चुनाव आयोग द्वारा 2019 के पहले जिस तरह से मतदान की सूचना पोर्टल पर डाल दी जाती थी, किस बूथ में कितना मतदान हुआ है यह बता दिया जाता था। यह सारी व्यवस्था बंद कर दी। पूरा केंद्रीय चुनाव आयोग ऐसी गोपनीयता के साथ काम कर रहा था उसकी हवा ना तो राजनीतिक दलों को लग पा रही थी, ना ही चुनाव आयोग

चुनाव के दौरान आचार संहिता के पालन कराने की दिशा में कार्यवाही कर रही थी। विपक्षी दलों पर जरूर कार्रवाई हो जाती थी, लेकिन सत्ता पक्ष भाजपा के खिलाफ शिकायतों पर चुनाव आयोग कोई कार्यवाही नहीं करता था। चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन कर धार्मिक और भावात्मक आधार पर लगातार वोट मांगे गए। ज्ञानेश कुमार की मनमानी इतनी बढ़ गई थी कि उन्होंने अपने दो अन्य आयुक्तों से भी विचार- विमर्श करना बंद कर दिया था। वह एकतरफा निर्णय ले रहे थे। जब तक चुनाव आयोग में विद्रोह नहीं हुआ तब तक यह सारी बातें दबी रही, लेकिन अब एक-एक करके सारी गड़बड़ियां सबूतों के साथ उजागर हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं सब में विवाद रहा है।

बिहार और पश्चिम बंगाल में तो गजब हो गया। अब इन सारे मामलों में यह साबित हो गया है, चुनाव आयोग ने पार्टी विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए यह सारी गड़बड़ियों को लाइन में खड़ा कर दिया है। एसआईआर से बहाने जितने तरह के दस्तावेज मतदाताओं से मांगे गए उनकी पूर्ति कर पाना संभव ही नहीं था। दिल्ली की एसआईआर ने आग में घी डालने का काम किया। चुनाव आयुक्त सिद्धू भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं, जिसमें सांसद कपिल सिब्बल की शामिल कर जब उनके नाम एसआईआर में कटें उसके बाद बवाल मच गया था। जिसकी परिणीति अब राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन के रूप में हो रही है।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया। एशियन गेम्स के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार बार बार स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। उनके अलावा जुग्राज सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह और शिलानंद लकड़ ने एक-एक गोल किया। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल

शेलो सिल्वरियस ने 14वें मिनट में किया। मुकाबले की शुरुआत दोनों टीमों के बीच कड़े संघर्ष के साथ हुई। 11वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, तीन मिनट बाद मलेशिया ने जवाबी हमला करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 23वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जुग्राज सिंह ने शानदार ड्रैफ्ट फ्लिक के जरिए गोल दागा और भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 42वें मिनट में उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर

दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में शिलानंद लकड़ ने 54वें मिनट में मैदानी गोल किया। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल करते हुए भारत की जीत 5-1 से तय कर दी। इस जीत के साथ भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी का अपना पांचवां स्वर्ण पदक हासिल किया। पाकिस्तान ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय हॉकी के लिए यह एशियन गेम्स विशेष रूप से यादगार रहा, क्योंकि महिला टीम ने भी शुक्रवार को चीन को 1-0 से हराकर 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ लॉस एंजेलिस ओलंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया।



संघर्ष से शिखर तक: अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में दिलाया स्वर्ण



मुम्बई (एजेंसी)। हांगझोउ में चल रहे एशियाई खेलों के पंद्रहवें दिन भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने देश के लिए 20वां स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 57 किलोग्राम वर्ग के कड़े मुकाबले में अमन ने उत्तर कोरिया के विश्व चैंपियन चोंग सोंग हान को 11-7 से हराकर पोजिडियम के शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। यह अमन का इन खेलों में शानदार प्रदर्शन था, जहाँ उन्होंने अपनी पिछली बॉयज मेडल की उपलब्धि को स्वर्ण में बदल दिया। 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने निर्णायक मुकाबले में बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन किया। एक समय प्रतिद्वंद्वी ने 7-6 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अमन ने जबरदस्त प्रदर्शन था, जहाँ मैच को अपने पक्ष में कर लिया और स्वर्ण पदक भारत के नाम किया। इससे पहले, सेमीफाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के एयाल बेतोलियुबकी को 14-8 से हराकर स्वर्ण पदक की

उम्मीद जगाई थी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने अमन फाइनल में लगातार नियंत्रण में रहे। अमन सहरावत का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। हरियाणा के झज्जर जिले के बिरौहड़ गांव के रहने वाले अमन जब मात्र 11 साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया और कुछ ही महीनों बाद उनके पिता का भी साया सिर से उठ गया। इन विपरीत परिस्थितियों में उनकी बहन और चाचा ने उनका सहारा बने। चाचा ने उन्हें छत्रसाल स्टेटियम में कुश्ती का प्रशिक्षण दिलाया, जहाँ अमन ने पूरी लगन और मेहनत से अभ्यास किया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में 57 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे वह ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा एथलीट बन गए।

पाकिस्तान फिर नहीं सुधरा, सैम अयूब की हरकत ने खोली पोल

निशियों। यह पुरानी कहावत है कि कुत्ते की दुम को चाहे कितने सालों तक भिड़ी में दबाकर रखी, निकालेंगे तो टेंढ़ी की टेंढ़ी ही निकलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का हाल भी कुछ ऐसा ही है। लगातार हार और विश्व क्रिकेट में टॉफी चोर का टैग झेल रही पाकिस्तानी टीम ने एक बार फिर अपनी घटिया हरकत से खुद को शर्मसार किया। हाल ही में एक टी-20 फाइनल मुकाबले में, लगातार 6 मैच हारने के बाद भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों को उकसाने की कोशिश की, जिसका खामियाजा उन्हें मैदान पर भुगतना पड़ा। यह घटना तब घटी जब पाकिस्तान के युवा खिलाड़ी सैम अयूब ने भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद बच्चा गोद में लेने वाला भद्रा सेलिब्रेशन किया। वैभव, जो इस समय पूरी दुनिया में, यहां तक कि पाकिस्तान में भी हजारों प्रशंसकों के चहेते है, उन्होंने इस उकसावे पर संभम बनाए रखा और पलटकर जवाब नहीं दिया। हालांकि, उनके साथी ओपनर अभिषेक ने इस हरकत का काररा जवाब दिया। सैम अयूब के उसी ओवर में अभिषेक ने एक छक्का और दो चौके जड़कर तीन ओवर में ही भारतीय स्कोर को 43 रन तक पहुंचा दिया और पाकिस्तान की नींव हिला दी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मैदान पर ऐसी अशोभनीय हरकत की हो। इससे पहले एशियन गेम्स और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट्स में भी पाकिस्तान के खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाजों को चिढ़ा चुके हैं। एशिया कप में अबरार अहमद ने एक भारतीय बल्लेबाज को आउट करने के बाद गंदा सा इशारा करके उनपर प्रमाया था, जिसके बाद पूरे टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने उनको दूढ़-दूढ़ कर मारा था।

एशियन गेम्स 2026: प्रणवी उर्स ने गोल्फ में दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, महिला टीम ने जीता सिल्वर

कासुगाई (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने कासुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में इतिहास रच दिया है। प्रणवी व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं हैं। चार दिनों तक चले इवेंट में उन्होंने 15-अंडर 265 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपने अंतिम दिन प्रणवी ने ईवन पार 70 का स्कोर किया और देश को गौरव दिलाया।



स्कोर 12-ओवर रहा।

प्रणवी की शानदार प्रदर्शन की बदैलत भारतीय महिला टीम ने भी चार दिनों में 14-अंडर 546 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह एशियन गेम्स के इतिहास में महिला टीम स्पर्धा में भारत का पहला गोल्फ मेडल है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जहां प्रणवी ने शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। अदिति अशोक ने अंतिम दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और कुल 2-ओवर 282 के साथ 14वें स्थान पर रहीं। दीक्षा डागर चौथे दिन 7-ओवर पार के स्कोर पर रहने के कारण संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं, उनका कुल

प्रणवी आखिरी दिन दूसरे स्थान पर चल रही सिंगापूर की शैनन टैन से तीन स्ट्रोक की बढ़त के साथ उतरी थीं। तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के साथ उनकी शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाई, जिससे वे कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर खिसक गईं। हालांकि, प्रणवी ने असाधारण वापसी करते हुए छेदे, 10वें और 13वें होल पर तीन बड़ी लगाकर फिर से बढ़त बना ली। उन्होंने 18वें होल पर ईवन पार स्कोर करके अपना गोल्ड मेडल पक्का किया। चीन की विन रओगिंग और सिंगापूर की शैनन टैन ने 14-अंडर पार पर रहने के कारण संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर जीता स्वर्ण, खिताब बरकरार

निशिन (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए हार्ड-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराकर मैदान का चक्र लगाया और स्टैडियम में मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। भारत को शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा और युवा वैभव सूर्यवंशी ने तेज रन बनाने में मदद की। अभिषेक ने 28 गेंदों में 61 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और सात छके लगाए तथा महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वैभव



ने भी नौ गेंदों में 15 रन बनाए और दो छके जड़े। हालांकि वह सईम अयूब की गेंद पर आउट हो गए। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया।

अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय पारी को मध्यक्रम में तिलक वर्मा ने संभाला। तिलक ने केवल 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी में तीन

हसन नवाज ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए 51 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चार रन दूर रह गए। साद मसूद ने पांच गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। भारत की ओर से शिवम दुबे ने तीन ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। पारी की आखिरी गेंद पर दुबे ने हसन नवाज को संजू सैमसन के हाथों कैच कराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियन गेम्स क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहली पुरुष फाइनल भिड़ंत थी। भारत ने 2023 गेंदों पर 20 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इन पारियों की बदैलत भारत ने 211 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछ करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने भी तेज शुरुआत करने की कोशिश की।

एशियन गेम्स 2026: ईशान किशन ने रचा इतिहास, एक कैलेंडर वर्ष में हजार टी20 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

निशियों। एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दौरान भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। ईशान इस मुकाबले में 18 गेंदों पर 20 रन ही बना सके, लेकिन उनकी यह पारी ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ दर्ज हो गई। ईशान ने 2026 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान किशन ने इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,005 रन बनाए हैं। उनसे पहले सुर्यकुमार यादव ने 2022 में यह मुकाम हासिल किया था। सुर्यकुमार ने उस कैलेंडर वर्ष में 187 के स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के करागबीर सिंह के नाम बताया गया है।



उन्होंने 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,472 रन बनाए थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो एशियन गेम्स के फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 28 गेंदों में तीन चौके और सात छकों की मदद से 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय पारी को तेज शुरुआत देने के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार की। तिलक वर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और चार छके लगाए। शिवम दुबे ने 15 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। हालांकि वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके और नौ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। संजू सैमसन का बल्ल भी नहीं चला और वह केवल दो रन बनाकर पर्सियन लौट गए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन 21 रन ही बना सके।

एशियाई खेल 2026: नीरज चौहान ने धीरज बोम्मदेवरा को हरा जीता कांस्य पदक

नागोया (एजेंसी)। जापान के नागोया में चल रहे एशियाई खेल 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पज स्क्वायर में हुए इस रोमांचक ऑल-इंडियन ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने अपने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6-4 से शिकरत दी। यह मुकाबला पांच सेट तक चला, जिसमें नीरज 2-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचने से पहले, नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 7-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि धीरज को दक्षिण कोरिया के ली वू-सेओक ने 3-7 से हराया था। इसके बाद दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच यह मुकाबला निर्धारित हुआ। ब्रॉन्ज मेडल



मुकाबले की शुरुआत नीरज ने दमदार तरीके से की, उन्होंने पहला सेट 29-26 से अपने नाम करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, धीरज ने दूसरे और तीसरे सेट में वापसी करते हुए क्रमशः 28-27 और 29-28 के स्कोर से जीत हासिल की और मुकाबले में 4-2 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। अब

धीरज को सिर्फ एक और सेट जीतने की जरूरत थी, जबकि नीरज के सामने मुकाबला बचाने की बड़ी चुनौती थी। नीरज ने चौथे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रख पलट दिया। उन्होंने तीनों तीरों पर परफेक्ट 10 का स्कोर किया और कुल 30 अंक हासिल कर धीरज को 30-27 से

हराया, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया और मैच निर्णायक पांचवें सेट में पहुंच गया। निर्णायक सेट में भी नीरज ने दबाव के बीच अपनी एकाग्रता बनाए रखी। धीरज ने 28 अंक बनाए, लेकिन नीरज ने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर कर कुल 29 अंक हासिल किए और पांचवां सेट जीतकर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नीरज और धीरज ने इससे पहले एशियाई खेल 2026 में टीम और मिश्रित स्पर्धाओं में भी पदक जीते थे। धीरज ने कुमकुम महोदय के साथ मिश्रित रिकर्व स्पर्धा में रजत पदक जीता था, और पुरुष टीम स्पर्धा में नीरज चौहान तथा यशदीप भोगे के साथ मिलकर रजत पदक हासिल किया था। भारतीय तीरंदाजों ने इन खेलों में कुल मिलाकर प्रभावाशाली प्रदर्शन किया है।

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे



कोपेनहेगन (ईएमएस)। पुर्तगाल फुटबॉल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोच जॉर्ज जैसस के साथ मतभेदों के कारण टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ दिया। सबसे अधिक हेरानी की बात ये रही कि रोनाल्डो ने ये कदम डेनमार्क के खिलाफ नेशंस लीग मुकाबले से ठीक पहले उठाया जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं। इससे कोच जॉर्ज के साथ उनके मतभेदों की बात भी खुलकर सामने आ गयी है। वहीं इस स्टार खिलाड़ी के प्रशंसकों का कहना है कि वह शिविर छोड़ने की असली वजह सही समय आने पर बताएंगे। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि उन्होंने शिविर छोड़ने से पहले पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष पेद्रो प्रोएन्सा से बातचीत की थी।

यह विवाद तब पहली बार सामने आया जब रोनाल्डो अंतिम अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए। इसके बाद वह पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ की गाड़ी में बैठ गये। जब टीम अपने होटल पहुंची, तो रोनाल्डो और कोच दोनों ही टीम के साथ मौजूद नहीं थे, जिससे इस पूरे मामले को लेकर रहस्य और बढ़ गया। वहीं कोच ने रोनाल्डो के अभ्यास में शामिल नहीं होने की बातों को नकार दिया। उन्होंने कहा था कि रोनाल्डो के ट्रेनिंग से दूर रहने की कोई खास वजह नहीं थी और मैच से कुछ दिनों बाद खिलाड़ी का अलम अभ्यास करना सामान्य बात है। कोच ने यह भी दावा किया था कि रोनाल्डो उसी दिन टीम के साथ अभ्यास करेंगे और उनसे बातचीत में रोनाल्डो ने साफ किया था कि वह टीम के फैसले के अनुसार खेलने या बाहर बैठने के लिए तैयार हैं। कोच ने उस दौरान किसी भी तरह के विवाद या घटना होने से इनकार किया था।

इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम पर बरसे पैसे

हांगझोउ। चीन में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 साल बाद स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। इस ऐतिहासिक जीत में टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन चीन को 1-0 से मात दी। यह जीत सिर्फ स्वर्ण पदक की ही सीमा तक नहीं है, बल्कि इसने टीम के लिए लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट भी पक्का कर दिया है, जिससे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। हॉकी इंडिया ने इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 11-11 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 5.5-5.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम की फॉरवर्ड लालरैमियामी ने मैच के 10वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर भारत को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद, वीनी टीम ने बराबरी करने के कई प्रयास किए, लेकिन भारतीय रक्षापांक्ति और विशेषकर गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार फॉर्म ने उन्हें सफल नहीं होने दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में एक निराशाजनक अनुभव हुआ। वे अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पंचवेलियन लौट गए, जिसे क्रिकेट की भाषा में गोल्डन डक कहा जाता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोहली को इनस्विगिंग यॉर्कर से बोल्टकर दिया। यह घटना तब हुई जब सील्स ने पिछली गेंद पर कप्तान शुभमन गिल को भी विकेट के पीछे लपकवाया था, जिससे भारतीय टीम मुश्किल में आ गई।

करीब सात साल बाद वनडे क्रिकेट में यह पहला मौका था जब कोहली गोल्डन डक का

शिकार हुए हैं। वर्तमान में, विराट कोहली सिर्फ वनडे प्रारूप में भारतीय टीम के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। यह भी एक दिलचस्प मौकों पर जब भी विराट कोहली शून्य पर आउट हुए हैं, वह अक्टूबर का महीना रहा है। न्यू चंडीगढ़ की घटना से पहले वे अक्टूबर 2025 में दो बार और अक्टूबर 2024 में एक बार खाता खोले बिना आउट हुए थे। उनके वनडे करियर की यह चौथी गोल्डन डक थी, और हैरत की बात यह है कि इन चार में से तीन बार उन्हें वेस्टइंडीज के विरुद्ध ही गोल्डन डक का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वे 2019 में विशाखापट्टनम में कीरान पोलाड के खिलाफ, 2013 में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ

और 2011 में नॉर्थसाउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ गोल्डन डक हुए थे। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद, कोहली ने अपने नाम एक और आंकड़ा दर्ज किया है, हालांकि यह कुछ ऐसा नहीं जिसे वे याद रखना चाहेंगे। वे अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कुल 565 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वे 41 बार डक का शिकार हुए हैं, जिससे उन्होंने तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा (199 मैचों में 40 डक) को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान 303 मैचों में 43 डक के साथ शीर्ष पर हैं। वनडे क्रिकेट में भी, कोहली अब 317 मैचों में 19वें बार शून्य पर आउट होकर पूर्व पेसर जवागल श्रीनाथ (229 मैचों में 19



डक) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज अनिल कुंबले (269 वनडे में 18 डक) और युवराज सिंह (301 वनडे में 18

डक) को पीछे छोड़ दिया है, जबकि महान सचिन तेंडुलकर 463 वनडे में 20 डक के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं।

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौक-झोंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का खयाल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेक्टिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज हैं।



बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से

तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज हैं। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी माँ से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।



अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन



बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रुकावटें आने लगती हैं। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों की हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहें तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांसपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।



योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।



बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण.....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरेंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन

डी से भरपूर

सुपर फूड्स

सोया से

भरपूर चीजें

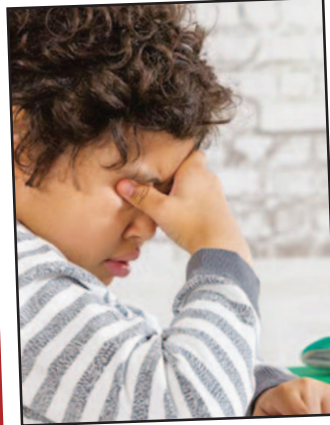
विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे को डाइट में सोया से



भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस



आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखें मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढ़ाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगाने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढ़ते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढ़ाएं और उसे रोज सुबह



आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखें मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

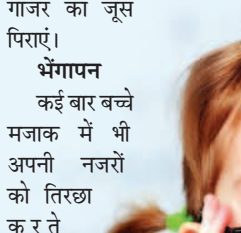
सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढ़ाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगाने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढ़ते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढ़ाएं और उसे रोज सुबह



हैं। यदि ये मजक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकेतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोड़ा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचानने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रसेप्थमला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखें लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आए तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।



पीने से बच्चे में विटामिन डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजेटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातों व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बाधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।



दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोके। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाएं।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर

का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह गुर्र संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछें। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।



दिल्ली : जितिया पर्व पर यमुना में बड़ा हादसा, दो महिलाओं की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के वजीराबाद स्थित सुर घाट पर जितिया पर्व के मौके पर यमुना नदी में स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। गहरे पानी में डूबने से दो महिलाएं, पिकी कुमारी और काजल कुमारी, की मौत हो गई। ये दोनों महिलाएं जखीरा इलाके की रहने वाली थीं और साथ में पढ़ाई भी करती थीं। जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं अपने परिजनों के साथ जितिया पर्व पर नहाने के लिए सुर घाट पहुंची थीं। स्नान करते समय वे अनजाने में गहरे पानी में चली गईं और वहीं डूब गईं। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। गोताखोरों की टीम ने काफी खोजबीन के बाद दोनों महिलाओं के शवों को नदी से बाहर निकाला। उत्तरी दिल्ली की डीसीपी निहारिका भट्ट ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। एक साथ पढ़ने वाली इन सहेलियों की मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट, जा सकते हैं जेल

लखनऊ (एजेंसी)। गाजियाबाद के एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की नगनी लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ एक बार फिर गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब चंद्रशेखर आजाद पर एक युवक से मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगा था। वादी के वकील भजनलाल गौतम ने बताया कि धर्मेन्द्र कुमार नाम के शख्स, जो गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के नूपुर गांव के रहने वाले हैं, ने चंद्रशेखर आजाद पर आरोप लगाया है। धर्मेद्र के अनुसार, वर्ष 2018 में वह साहिबाबाद क्षेत्र के वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह में गए थे। उसी दौरान चंद्रशेखर भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे थे। धर्मेद्र ने चंद्रशेखर से पूछा कि वे इतने हथियार क्यों लेकर आए हैं, जिस पर चंद्रशेखर ने कथित तौर पर जवाब दिया था कि दिखाई नहीं दे रहा है, राइफल हैं। धर्मेद्र का दावा है कि इसके बाद चंद्रशेखर और उनके साथियों, जिनमें गुलजार सिद्दीकी और पंकज जाटव सहित करीब 15 अज्ञात लोग शामिल थे, ने उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इस घटना के बाद धर्मेद्र ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले में गाजियाबाद की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सांसद के खिलाफ पहले भी वारंट जारी किया था, लेकिन चंद्रशेखर सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुए। वकील गौतम ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद लगातार कोर्ट की कार्यवाही से अनुपस्थित रहे हैं। इस बार 28 सितंबर को भी उनकी पेशी थी, लेकिन वह अदालत में हाजिर नहीं हुए। उनकी लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए, अदालत ने उनके खिलाफ फिर से गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। कोर्ट ने अब मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 अक्टूबर की तारीख तय की है।

43वीं मंजिल से युवक ने लगाई छलांग, कई टुकड़ों में बंटा शरीर

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा के सेक्टर-94 में सुपरनोवा सोसाइटी की 43वीं मंजिल से कूदकर एक युवक ने जान दे दी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला थाना सेक्टर-126 क्षेत्र का है। ऊंचाई से गिरने के कारण युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सामने आया है कि युवक के शरीर के कई हिस्से हो गए। जानकारी के मुताबिक मृतक ने एक दिन पहले ही सुपरनोवा में कमरा बुक किया था। घटना के दौरान जब युवक ऊंचाई से कूदने की कोशिश कर रहा था, तभी वहां मौजूद एक एसी मैकेनिक ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह उसे रोक नहीं सकी। बताया गया है कि घटना से पहले युवक ने एसी मैकेनिक से कहा था कि वह डिप्रेशन में है। इसके बाद युवक 43वीं मंजिल से गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजौरी में एलओसी पार कर आई पीओके की महिला गिरफ्तार

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाली पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की महिला को पकड़ा है। यह संवेदनशील घटना नौशेरा सेक्टर के पुखरनी गांव के पास उस वक्त हुई, जब महिला भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश कर रही थी। सेना ने तत्काल कार्रवाई कर महिला को हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई महिला की पहचान सांभिया अजीम के रूप में हुई है, जो पीओके के कांटेटी जिले के खुइरेट्टा की निवासी है। सेना द्वारा की गई शुरुआती पूछताछ में उसके पास से कोई भी संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, सीमा सुरक्षा के मद्देनजर गंभीर मामला माना जा रहा है। भारतीय सेना ने महिला को आगे की गहन पूछताछ, उसकी पहचान सत्यापित करने और भारत में उसके प्रदेश की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस अब मामले की विस्तृत जांच कर रही है ताकि सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके।

6 अक्टूबर बीजेपी के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का सबसे बेहतरीन मौका

नंदीग्राम के मुस्लिम बहुल इलाके में चुनावी सभा में सीएम शुभेंदु बोले

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की हार्ड-प्रोफाइल नंदीग्राम विधानसभा सीट पर 6 अक्टूबर को होने जा रहे उप-चुनाव से पहले सीएम शुभेंदु अधिकारी ने एक बड़ा दांव खेला। उन्होंने नंदीग्राम के मुस्लिम बहुल इलाके में रैली को संबोधित करते हुए अल्पसंख्यक मतदाताओं से बीजेपी को समर्थन देने की भावुक अपील की और इसे पार्टी के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का सबसे शुभ अवसर बताया। बीजेपी प्रत्याशी हसिरानी रथ के पक्ष में प्रचार करते हुए शुभेंदु ने कहा कि टीएमसी का अस्तित्व अब पूरी तरह खत्म हो चुका है, इसलिए बीजेपी से दूरी बनाए रखने का अल्पसंख्यक समाज को अब कोई फायदा नहीं होगा।

नंदीग्राम ब्लॉक-2 के बिरुलिया बाजार में, जहां परंपरागत रूप से अल्पसंख्यक आबादी ज्यादा होने से बीजेपी को कड़ी चुनौती



मिलती रही है। शुभेंदु ने कहा कि हमारे साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने का यह सबसे बेहतरीन समय है। 6 अक्टूबर एक बेहद शुभ दिन है, और दोस्त के तौर पर हमारा हाथ थामने का ऐसा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। हां, हम जय

श्री राम का नारा लगाते हैं, लेकिन हम आप पर यह बोलने का कोई दबाव नहीं बनाते। आप चाहें तो जय श्री राम न बोलकर सिर्फ भारत माता की जय बोल सकते हैं। सीएम शुभेंदु ने चुनाव को अपने पूर्व पीए

चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या से जोड़ते हुए मतदाताओं से इसे एक लोकतांत्रिक प्रतिशोध का जरिया बनाने को कहा। हसिरानी रथ, चंद्रनाथ रथ की ही मां हैं। चंद्रनाथ की 6 मई को कोलकाता के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि चंद्रनाथ का कसूर सिर्फ इतना था कि वह उनके करीब थे। उन्होंने कहा कि यूपी के शूटिंग और बिहार के मुंगेर के लोगों के जरिए गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। अब बस डायमंड हार्बर कंपनी को औपचारिक रूप से जोड़ना बाकी है। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर को ईवीएम पर बटन दबाकर चंद्रनाथ की हत्या का लोकतांत्रिक जवाब दिया जाना चाहिए।

प्रियंका कक्कड़ ने छोड़ी आप, कांग्रेस में शामिल; राहुल गांधी की जमकर तारीफ

नईदिल्ली , एजेंसी।

ईएमएस आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा और पत्रकार राजत राकेश टंडन ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। तीनों का कांग्रेस में शामिल होना ऐसे समय हुआ है जब विपक्षी राजनीति में नए समीकरणों को लेकर चर्चा तेज है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजह बताते हुए कहा, अब वह पार्टी के उन फैसलों का बचाव नहीं कर सकतीं, जिन्हें वह गलत मानती हैं। उन्होंने कहा कि आप जब राजनीति में आई थी, तब उसके नेता बंगला और सरकारी सुविधाएं नहीं लेने की बात करते थे, लेकिन बाद में निजी हेलिकॉप्टर जैसे साधनों के इस्तेमाल करने की स्थिति सामने आई। उन्होंने सवाल उठाया कि पार्टी में जमीनी स्तर के काम करने वाले कार्यकर्ताओं की जगह ऐसे लोगों को महत्व क्यों दिया



जा रहा है, जिन्होंने बूथ स्तर मे भी काम नहीं किया। कक्कड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खुलकर प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का +ऑर्थेटिक+ और संघर्षशील नेता बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों और राजनीतिक दबाव के बावजूद राहुल गांधी लगातार अपनी बात पर कायम रहे। उन्होंने यह भी कहा कि देश में लोकतंत्र और +आइडिया ऑफ इंडिया+ को मजबूत करने के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस के साथ खड़ा होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी दिल्ली चाहती हैं, जो हरी-भरी, स्वच्छ, प्रगतिशील और सुरक्षित हो। उनका मानना है कि कांग्रेस ही दिल्ली को ऐसा स्वरूप दे सकती है।

हमारी समान विचारधारा है, समान लड़ाई है, मैं चाहता हूं राहुल बने अगले पीएम

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य कांग्रेस नेता से मिले, इंडिया गठबंधन में होंगे शामिल

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बताया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन के साथ रहने का फैसला किया है और वे चाहते हैं कि देश के अगले पीएम राहुल गांधी बनें। मौर्य ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात पर कहा कि राहुल गांधी एससी-एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और देश से जुड़े सभी मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं, संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं मुद्दों को लेकर मैं यूपी में काम कर रहा हूं। हमारी समान विचारधारा है, समान लड़ाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में करोड़ों नौजवान बेरोजगार हो रहे हैं, सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकारी नौकरियां मिलनी बंद हो गई हैं। एससी-एसटी, ओबीसी का आरक्षण निष्प्रभावी कर दिया गया है। देश में गरीबी लगातार बढ़ रही है। 140 करोड़ लोगों की



आबादी में 80 करोड़ लोगों का जीवन 5-10 किलो गेहूं-चावल पर अटक गया है। मौर्य ने कहा कि महंगाई बढ़ रही है। किसानों से वादा करने के बावजूद उन्हें लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। हर साल करीब 10 हजार स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। अरबों-खरबों की संपत्ति को उद्योगपतियों के हवाले की जा रही है। मौर्य ने कहा कि इन तमाम समस्याओं से निपटने के लिए हम यूपी में जट्टोजेदद तो कर ही रहे हैं लेकिन देश स्तर पर विकल्प कांग्रेस है, इसलिए आज इंडिया गठबंधन के

साथ रहने का फैसला किया है। इसी विषय पर आज बातचीत हुई है। हम चाहते हैं देश के अगले पीएम राहुल गांधी हों। बता दें शनिवार को पूर्व विधायक श्याम सुंदर शर्मा, राजीव शुक्ला, राजेंद्र पाल गौतम और स्वामी प्रसाद मौर्य 10 जनपथ पहुंचे थे। इससे पहले स्वामी प्रसाद मौर्य बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर बीजेपी में चले गए थे, लेकिन 2022 विधानसभा चुनाव से पहले मौर्य बीजेपी से इस्तीफा देकर बीजेपी की अपील करती हैं। बता दें स्वामी प्रसाद मौर्य यूपी सरकार में मंत्री, सदन के नेता और विपक्ष के नेता रहे। वह योगी सरकार में श्रम, रोजगार और समन्वय के कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यरत थे। मौर्य का जन्म 2 जनवरी 1954 को यूपी के प्रतापगढ़ जिले के चकवाड़ में हुआ था। दशकों तक बसपा, फिर बीजेपी और कुछ साल सपा में रहने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपनी पार्टी राष्ट्रीय राधिका समाज पार्टी बनाई थी। अब इंडिया गठबंधन में शामिल होने का फैसला लिया है।

कम मानसूनी बारिश के बाद सूखे का खतरा: किसानों और लोगों को क्या मिलेगी राहत?

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश में इस साल का मानसून सीजन तकनीकी रूप से समाप्त हुआ है, और मानसून आंकड़ों के अनुसार, जून से सितंबर के बीच पूरे देश में औसतन सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। इस कमी का सबसे अधिक असर पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में देखने को मिला, जहाँ बारिश सामान्य से करीब 25 प्रतिशत कम रही। इसी तरह, दक्षिण प्रायद्वीप में भी करीब 24 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जिससे कई इलाकों में सूखे जैसी परिस्थितियाँ बनने की आशंका गहरा गई है।

हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पूरे देश को एक साथ सूखा प्रभावित घोषित किया

जाएगा, ऐसा जरूरी नहीं है। सूखे का आकलन केवल कुल मानसूनी बारिश के आधार पर नहीं किया जाता। किसी क्षेत्र में कितनी बारिश हुई है, फसलों की वर्तमान स्थिति कैसी है, मिट्टी में नमी का स्तर क्या है, जलाशयों और भूजल महत्वपूर्ण, खेती पर इसका कितना समग्र असर पड़ा है - इन सभी पहलुओं का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद किया जाता है। इसकारण देशभर में 13 प्रतिशत कम बारिश होने का मतलब यह नहीं है कि केंद्र सरकार पूरे भारत को सूखा प्रभावित घोषित करेगी। इसके बजाय, राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति का गहन आकलन कर प्रभावित जिलों या विशिष्ट इलाकों को सूखा प्रभावित घोषित करने का निर्णय

ले सकती हैं। बारिश की कमी का असर खेती-किसानी पर भी पड़ना तय है। पंजाब और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में पानी की कमी से कृषि प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। हालांकि, दक्षिण भारत के लिए अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली उत्तर-पूर्वी मानसूनी बारिश महत्वपूर्ण राहत दे सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सालभर होने वाली बारिश का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा इसी मानसून से आता है, जबकि तमिलनाडु और पुडुचेरी में यह हिस्सेदारी करीब 48 प्रतिशत तक पहुँच जाती है। इसके बाद आने वाले महीनों की यह बारिश इन क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि किसी राज्य या जिले को

आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित होता है, तब किसानों और ग्रामीण आबादी को राहत पहुँचाने के लिए विभिन्न उपाय हो सकते हैं। फसल खराब होने की स्थिति में किसानों की सीधे आर्थिक राहत या कृषि इनपुट सहायता दी जा सकती है। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उनके लिए नुकसान के आकलन के आधार पर बीमा दावों का निपटान महत्वपूर्ण होगा। प्रभावित क्षेत्रों में पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ पशुपालकों के लिए चारे और पानी की व्यवस्था की जा सकती है। सूखे की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की मांग बढ़ जाती है, इस देखकर ग्रामीण रोजगार योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार और मजदूरी उपलब्ध कराने



पर जोर हो सकता है। राज्य सरकारें अपने उपलब्ध आपदा राहत संसाधनों से सहायता प्रदान कर सकती हैं और नियमों के अनुसार केंद्र सरकार से भी वित्तीय मदद की मांग कर सकती हैं। यह समझना आवश्यक है कि सूखा घोषित

होने पर हर किसान को अपने-आप कोई निश्चित रकम मिल जाए, ऐसा कोई स्वचालित प्रावधान नहीं है। राहत की मात्रा और उसका स्वरूप प्रभावित क्षेत्र, वास्तविक नुकसान और लागू सरकारी योजनाओं पर ही निर्भर करेगा।

बिहार में जब्त शराब से सैनटाइजर, मांझी का अनूठा सुझाव

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में जब्त शराब के निपटान को लेकर राज्य सरकार को अनूठा सुझाव दिया है। उन्होंने शराब को नष्ट करने के बजाय उससे सैनिटाइजर जैसे उत्पाद बनाने का प्रस्ताव दिया है। केंद्रीय मंत्री मांझी, जो शराबबंदी के मुखर आलोचक रहे हैं, का मानना है कि इससे सरकार को राजस्व का लाभ होगा और राज्य के कल्याण में योगदान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा, जितनी भी शराब पकड़ी जा रही है, बिहार सरकार उस शराब को इकट्ठा कर उससे सैनिटाइजर सहित अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए। शराब को नष्ट करने के बजाय, इस प्रकार उसका उपयोग करके सरकार राजस्व बचा सकती है और उस राशि को राज्य के विकास एवं कल्याण कार्यों में खर्च कर सकती है। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम सरकार के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। यह सुझाव तब आया है जब मांझी लगातार बिहार में शराबबंदी कानून पर सवाल उठाते रहे हैं, विशेषकर इसके गरीब वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर। हालांकि, जनता दल (यूनाइटेड) के नेताओं और हाल ही में मुख्यमंत्री स्मार्त चौधरी ने साफ किया है कि राज्य में शराबबंदी जारी रहेगी और इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। शराबबंदी को खत्म करने की उनकी पिछली माँगों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने के बाद, मांझी ने यह नया दृष्टिकोण पेश किया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री स्मार्ट चौधरी मांझी के इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं, और क्या जब्त शराब से राजस्व कमाने का यह विचार सरकार द्वारा स्वीकार किया जाता है।



ममता के साथ शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने भी किया सीजेपी को सपोर्ट

सीजेपी का ऐलान ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को बड़ा प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे कॉर्कोरच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन को समर्थन दिया है। शुक्रवार को दिल्ली से लौटने के बाद कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने सीजेपी, युवाओं और छात्रों के आंदोलन के समर्थन की बात कही। उन्होंने कहा कि वह सीजेपी और युवा पीढ़ी के साथ पूरी तरह खड़ी हैं और ऐसी ज्यादातियों को रोकने की अपील करती हैं। बता दें इन प्रदर्शनों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही है। ममता बनर्जी ने अस्पष्ट में भी दिल्ली में नीट मैकेल प्रवेश और दिल्ली का सामना करना पड़ा। इस आयोजन के विरोध में कई जगहों पर स्थानीय लोग भी सड़कों पर उतर आए, जिसके चलते यह पूरा मामला

किया था। अहम बात यह है कि ममता के साथ-साथ शिवसेना और आम आदमी पार्टी ने भी सीजेपी को सपोर्ट किया है। सीजेपी ने अब घोषणा की है कि अगर ज्ञानेश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा नहीं दिया तो 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर फिर बड़ा प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार रात मुंबई के शिवाजी पार्क में हुए प्रदर्शन के बाद यह ऐलान किया। पुलिस की ओर से अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शिवाजी पार्क में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में पहुंचे थे। दिपके ने 10 अक्टूबर के आंदोलन को लेकर कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा और वे महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि अब यह सरकार और दिल्ली पुलिस पर निर्भर है कि

वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करते हैं या 20 जुलाई को हुई कार्रवाई जैसी स्थिति दोहराते हैं। उन्होंने इस आंदोलन को लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताया और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव चाहने वाले नागरिकों से इसमें शामिल होने की अपील की। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के साथ उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने 2025 की मतदाता सूचियों को फ्रीज करने और चुनाव आयुक्तों को नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को खत्म करने की भी मांग रखी है। संगठन के नेताओं का दावा है कि कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं और नए नाम जोड़े गए हैं। दिपके ने दावा किया कि दो सालों में 13



करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की मतदाता सूची में 40 लाख नए मतदाता जोड़े गए थे। उन्होंने दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों में भी मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में बदलाव से सत्ताकण्ड बीजेपी को फायदा हुआ।

पाकिस्तान में ट्रम्प के बेटों की कंपनी ड्रोन यूनिट लगाएगी :3 साइट्स चुनीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से जुड़ी पाँवरस कंपनी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन यूनिट लगाने जा रही है। एरिक ट्रम्प और डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर की कंपनी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मरी में सीक्रेट मीटिंग की है। पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन के लिए हरीपुर, रावलपिंडी और तक्षशिला में तीन संभावित मिलिट्री साइट्स चुनी गई हैं। यहां आत्मघाती ड्रोन बनाए जाएंगे। 16 सितंबर को मुनीर और पाँवरस के बीच ड्रोन आयात का एमओयू हुआ था। सुत्रों के मुताबिक, प्रोडक्शन में पाक आर्मी की इंस्ट्रिक्टयल यूनिट भी शामिल होगी। यूनिट की साइट फाइनल करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी 15 अक्टूबर के बाद अमेरिका जाएंगे। पाकिस्तान फिलहाल चीन और तुर्किये से ड्रोन खरीद रहा है। तुर्किये ने भी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन का करार किया है। पाकिस्तान को अमेरिका से मिलने वाले कई हथियार आईएसआई से होकर आतंकियों के पास पहुंच जाते हैं। कश्मीर में ऐसे कई केस हैं जब यूएस मेड हथियार आतंकियों के पास मिले हैं। ये ड्रोन हमारी अंदरूनी सुरक्षा को चुनौती होंगे। पहले पाकिस्तान को अमेरिका से ड्रोन आयात करने थे। अब वहीं प्रोडक्शन होगा। वजह- ट्रम्प के बेटों की कंपनी इन्हें पाक के जरिए एशिया और अफ्रीका के उन देशों को भी बेच सकेगी जिन्हें अमेरिका सीधे हथियार नहीं देता है। चीन का पाक में सीपैक के रूप में बढ़ा निवेश है। सीपैक बेहद अहम है, पर इसका फायदा नहीं मिल रहा है। बलूचिस्तान-खैबर में चीन खनन नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मुनीर के कहने पर चीन ने पाक को इस डील की मंजूरी दी।

डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी नहीं मिलेगा शांति का नोबेल?

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा। इसकी बड़ी वजह अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध छेड़ना है. इस युद्ध के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए हैं. वहीं नोबेल कमेट्री इस बार ऐसे शख्स को शांति पुरस्कार देने की तैयारी में है, जो ट्रंप का धुर-विरोधी हो. 2025 में वेनेजुएला का मचाडो को शांति का नोबेल दिया गया था. पुरस्कार लेने का बाद मचाडो ने इसे ट्रंप को सौंप दिया, जिसके कारण नोबेल कमेट्री की भद पिटी थी. समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा. रॉयटर्स ने सुत्रों के हवाले से कहा कि नोबेल समिति यह विचार कर रही है कि क्या इस बार इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यूनल को यह पुरस्कार दिया जा सकता है? 9 अक्टूबर को नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा प्रस्तावित है. इसके लिए नोबेल समिति के भीतर लगातार मंथन का दौर चल रहा है. विश्लेषकों का मानना है कि इस बार नोबेल शांति पुरस्कार की रेस में डोनाल्ड ट्रंप के अलावा पिक लियो, इंटरनेशनल कोर्ट ट्रिब्यून , फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर यूएन के विशेष प्रतिवेदक और फ्रांसस्का अल्वनीस सबसे आगे हैं. 2025 में कंबोडिया, इजराइल और पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था. 2025 में आखिरी वक्त तक ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की उम्मीद थी, लेकिन यह मचाडो को दे दिया गया।

मेक्सिको के प्रशांत तट के पास तूफान रैचल श्रेणी 3 में पहुंचा, कई राज्यों में नुकसान की आशंका

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, तूफान रैचल मेक्सिको के प्रशांत तट के पास श्रेणी 3 के तूफान में बदल गया है। यह तूफान बाजा फैलिफोर्निया के दक्षिणी छोर से करीब 245 मील यानी 390 किलोमीटर दूर है। रैचल धीरे-धीरे पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है और अगले दिन तक इसके और मजबूत होने की संभावना है। इसके बाद सप्ताहांत में इसके कमजोर पड़ने का अनुमान है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने चेतावनी दी है कि रैचल से उठने वाली ऊंची समुद्री लहरें मेक्सिको के तट पर जानलेवा सर्फ और तेज समुद्री धाराएं पैदा कर सकती हैं। अनुमान था कि रैचल मेक्सिको के तट के समानांतर आगे बढ़ेगा और इसके बाद प्रशांत महासागर में पश्चिम दिशा की ओर मुड़ जाएगा। मेक्सिको के अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी अलर्ट पर हैं। बाजा फैलिफोर्निया सुर, सिनालोआ और जलिसको राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इसके कारण भूस्खलन, नदियों का जलस्तर बढ़ने, नदियों के उफान पर आने और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा है।

अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षा में चूक मामले में ब्रिटिश-ईरानी नागरिक गिरफ्तार, आतंकवादी साजिश का शक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिका द्वारा संचालित एक एयरबेस के पास हुई सुरक्षा घटना की जांच के सिलसिले में ब्रिटिश पुलिस ने ब्रिटेन और ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को गुरुवार को लंदन में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ब्रिटेन की राजधानी में दो ठिकानों की तलाशी ली गई। यह मामला रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ फेयरफोर्ड में सप्ताहांत के दौरान हुई सुरक्षा घटना से जुड़ा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी

बमवर्षक विमानों ने ईरान पर हमले के लिए किया है। पहले गिरफ्तार किए गए पांच लोग हुए रिहा : रविवार को इस मामले में लंदन के रहने वाले 20 साल की उम्र के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आतंकवाद रोधी पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय एक अन्य ब्रिटिश नागरिक से भी चेतावनी के तहत पूछताछ की गई है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस को आतंकवाद रोधी इकाई की वरिष्ठ राष्ट्रीय समन्वयक विक्की इवांस ने कहा, 'जैसा कि हमने स्पष्ट किया है, हम सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिसमें किसी विदेशी राज्य की संभावित सल्लसता भी

पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ: पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर किया हमला तो करेंगे हर हथियार का इस्तेमाल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पूछते हैं। पुतिन ने कहा, 'प्रधानमंत्री की इसमें गहरी रूचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष में समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं।

हमला हुआ तो करेंगे सभी हथियारों का इस्तेमाल : पुतिन : रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने



पास मौजूद 'सभी हथियारों' के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा। विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब्त कर रहे हैं।

नाटो की किस हरकत पर भड़का रूस : पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने

कालिनिग्राद और कालिनिग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नकाबंदी की तैयारी कर रहा है। रूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर 'खतरनाक खेल खेलने' का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोडफोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है।

क्या परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा रूस : गुरुवार को वाल्दाई क्लब के मंच पर पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस और नाटो युद्ध के करीब पहुंच गए हैं या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'यह डराने-धमकाने की बात नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है। पुतिन ने कहा कि नाटो को दी गई पिछली चेतावनी में 'सब कुछ सही लिखा गया है।' उन्होंने कहा कि अगर रूस के

खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल 'अनिवार्य रूप से और तुरंत' सामने आएगा। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं 'जो किसी और के पास नहीं हैं' और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए।

भारत के साथ आर्थिक गलियारों पर भी पुतिन का बयान : पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में है। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसाधन उपलब्ध कराने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारे का एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संर्ष है।

मक्का में आत्मघाती हमले की कोशिश! वायरल वीडियो पर सऊदी अरब की सफाई

मक्का , एजेंसी। सऊदी में एक आत्मघाती हमलावर ने ग्रेंड मस्जिद के अंदर विस्फोटक से भरी जैकेट में धमाका करने की कोशिश की. डिवाइस में खराबी के कारण कोई धमाका नहीं हुआ. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित हमलावर काबा के करीब पहुंच गया था. हालांकि सऊदी अधिकारियों ने मक्का की ग्रेंड मस्जिद में आत्मघाती बमबारी की कोशिश की खबरों को खारिज कर दिया है. उन्होंने कहा कि इस घटना के बारे में फैल रहे दावे झूठे हैं.

सऊदी पब्लिक सिक्योरिटी ने बताया कि पवित्र स्थल पर एक व्यक्ति को राहगीरों को परेशान करने और उनमें घबराहट व डर पैदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. अधिकारियों ने कहा कि उस व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई और मामले को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को सौंपने से पहले जरूरी कानूनी कदम उठाए गए.

सऊदी अधिकारियों ने बमबारी के दावों को नकारा : एक बयान में सऊदी पब्लिक सिक्योरिटी ने कहा कि सुन्हा

अधिकारियों ने एक व्यक्ति को राहगीरों को परेशान करने और उनमें घबराहट व डर पैदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने आगे कहा कि उस व्यक्ति के साथ उसी समय तुरंत निपटा गया और ऑनलाइन फैल रही खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया. बयान में कहा गया है, सुन्हा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस घटना के बारे में फैलाए जा रहे दावों में कोई सच्चाई नहीं है।

ग्रेंड मस्जिद के अंदर धमाका करने की कोशिश : इससे पहले आई खबरों में दावा किया गया था कि एक सदस्थ आत्मघाती हमलावर ने ग्रेंड मस्जिद के अंदर विस्फोटक जैकेट में धमाका करने की कोशिश की थी और कथित तौर पर हमले की कोशिश रोकें जाने से पहले वह काबा के करीब पहुंच गया था. उस समय उन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी. हालांकि, सऊदी अधिकारियों के ताजा बयान में कहा गया है कि उस व्यक्ति को लोगों को परेशान करने और दहशत फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

पोलैंड में अमेरिकी सैन्य बेस बनाने पर विचार कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन पोलैंड में अमेरिकी सैन्य बेस बनाने पर विचार कर रहा है। टेक्सास रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने विदेश नीति से लेकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था तक कई मुद्दों पर बात की। पोलैंड में अमेरिकी सैन्य बेस बनाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने देश के प्रति अपना समर्थन जताया। उन्होंने कहा, 'हम इस पर विचार कर रहे हैं और पोलैंड के राष्ट्रपति के लिए हमारे मन में बहुत सम्मान है। इसलिए हम इसे देख रहे हैं और ऐसा हो सकता है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि उन्होंने पोलैंड में अमेरिकी सेना का बेस बनाने पर अभी तक अंतिम फैसला क्यों नहीं लिया है, तो उन्होंने कहा कि? आपको नहीं पता कि मैंने फैसला



लिया है या नहीं. हो सकता है मैंने फैसला पहले ही ले लिया हो। मुझे पोलैंड पसंद है। यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इसका समाधान निकल जाएगा। इराक और वहां से अमेरिका के निकलने के बाद अपने सहयोगियों को समर्थन जारी रखने से

जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों का साथ नहीं छोड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि वह ब्राजील के चुनाव पर बहुत करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अमेरिका में ब्राजील की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'ब्राजील बहुत महत्वपूर्ण देश है। यह एक शानदार देश है। ब्राजील के लोग

शानदार हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका वेनेजुएला या दक्षिण अमेरिका में किसी दूसरी जगह सैन्य बेस बनाने की योजना बना रहा है। इस पर उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन कई चीजों पर विचार कर रहा है। जैसा कि आप जानते हैं, हमारे रिश्ते बहुत अच्छे चल रहे हैं। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस तेल का इस्तेमाल अपने स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी आपात स्थिति के लिए रखे जाने वाले सरकारी तेल भंडार को भरने में कर सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर वेनेजुएला बहुत पैसा कमा रहा है और हम भी पैसा कमा रहे हैं, तो हम बहुत कम कीमत पर वेनेजुएला के तेल से अपने राष्ट्रीय रणनीतिक भंडार को भरना शुरू करेंगे और यह बहुत अच्छा होगा।

ईरान से तनाव के बीच पश्चिम एशिया में 9000 अतिरिक्त सैनिक तैनात करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की चेतावनी दिए जाने के बाद अमेरिकी सेना पश्चिम एशिया में जहाजों के जरिए करीब 9,000 अतिरिक्त सैनिक भेज रही है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बुधस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि इस तैनाती के बाद अक्टूबर के अंत तक क्षेत्र में तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत तैनात हो जाएंगे। तीसरे विमानवाहक पोत से सैनिकों की यह तैनाती अमेरिका में प्रस्तावित मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले ईरान के खिलाफ ट्रंप की युद्ध रणनीति में तेजी से हो रहे बदलाव के दर्शाती है। साथ ही, ऐसे संकेत भी मिल रहे हैं कि यह संघर्ष अब और अधिक जटिल होता जा रहा है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध को और तेज किया जा सकता है, हालांकि शुरुआत में उन्होंने अमेरिकी जनता से यह अभियान केवल कुछ हफ्तों में समाप्त करने का वादा किया था। ट्रंप ने बुधस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि ईरान का संबंध फ्लॉइडुबई के उस सह-पायलट से हो सकता है, जिसने बुधवार को इजराइल जा रहे विमान के कप्तान पर चाकू से हमला किया था और विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने

की कोशिश की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या हमलावर पायलट और तेहरान के बीच कोई संबंध है, तो उन्होंने कहा कि इस बारे में पता लगाया जा रहा है। ट्रंप ने बिना कोई विस्तृत जानकारी दिए कहा, 'जो बातें मुझे पता चल रही हैं, उनके आधार पर मैं कहूंगा कि इसका जवाब 'हां' है, लेकिन हम अभी इस पर काम कर रहे हैं।' ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान से संबंध साबित हो जाते हैं तो अमेरिका इसका कड़ा जवाब देगा। इससे पहले बुधस्पतिवार को 'फॉक्स न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया था कि जांचकर्ताओं का मानना है कि सदस्थ सह-पायलट को 'कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा का पाठ' पढ़ाया गया था। हालांकि, उन्होंने भी इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने कहा, 'उन पर बहुत जोरदार हमला किया जाएगा, आप चिंता मत कीजिए। आप बस उनसे पूछिए, वे जानते हैं कि क्या हुआ है। उन पर बेहद कड़ा प्रहार होगा।' इस बीच, पश्चिम एशिया के लिए रवाना हुए जहाजों के बेड़े में 7,000 से अधिक नाविक और 2,000 से अधिक नौसैनिक शामिल हैं।

कतर के दोहा में एआईआईबी का 11वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित, वैश्विक निवेश और विकास पर हुई चर्चा



उपलब्धियां कतर की राजधानी दोहा में 28 व 29 सितंबर को आयोजित है। साथ ही, खाड़ी क्षेत्र में आयोजित होने वाला यह AIBB का पहला ऐतिहासिक वार्षिक सम्मेलन भी बन गया है। इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य विषय 'भविष्य के लिए बुनियादी ढांचा: प्रभाव और नवाचार' रखा गया था।सम्मेलन दौरान दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों ने सतत विकास और बहुपक्षीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया। वर्ष 2016 में 57 संस्थापक सदस्यों से शुरू हुए इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब बढ़कर 111 हो गई है। दोहा सम्मेलन और पहले दशक की

संस्थापक सदस्यों से शुरू इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब 111 हो चुकी है। पहले दस वर्षों में बैंक ने 79 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के वित्तपोषण की मंजूरी दी। इस राशि से दुनिया भर में 400 से ज्यादा महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को समर्थन मिला। महाप्रबंधक को च्यायी का दृष्टिकोण और लक्ष्य आने वाले नए दशक के लिए एआईआईबी की महाप्रबंधक को च्यायी ने बैंक की कार्ययोजना पेश की। उन्होंने कहा कि बैंक की अगली यात्रा में प्रभाव, नवाचार और ईमानदारी तीन मुख्य विचार होंगे। इसके तहत वर्ष 2030 तक वार्षिक वित्तपोषण

यूएस: हूती विद्रोहियों को मदद पहुंचाने के आरोप में अमेरिकी इंजीनियर गिरफ्तार, एफबीआई ने कैसे करा शिकंजा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग के एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को कथित तौर पर मदद कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। न्याय विभाग ने गुरुवार को बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर घर में विस्फोटक और ड्रोन बनाने के लिए सामग्री खरीदी तथा यमन की यात्रा भी की थी।

क्या है अमेरिकी इंजीनियर पर आरोप : वॉशिंगटन राज्य के रिचलैंड निवासी 51 वर्षीय एस्टन हमीद एलाबूडी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उसे शुक्रवार को पहली बार अदालत में पेश किया जाना है। अदालत के रिकॉर्ड में उसके पक्ष में बोलने के लिए किसी वकील का नाम दर्ज नहीं है। एफबीआई के मुताबिक, एलाबूडी का मकसद हूती विद्रोहियों की संचार क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करना था। वह पिछले सितंबर में यमन गया था। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों के बीच हिंसा हो रही है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। यमन में संघर्ष की शुरुआत साल 2014 में हुई थी, जब ईरान समर्थित विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद देश की सरकार को सऊदी अरब में निर्वासन में शरण लेनी पड़ी थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका लौटने पर एलाबूडी ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को बताया कि वह काम के सिलसिले में ओमान से लौट रहा था और अमेरिकी सरकार के एक मिशन का हिस्सा था,



जिसका काम मिसाइल रक्षा प्रणालियों का निरीक्षण करना था। हालांकि, एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के सुपरवाइजर से पूछताछ की, जिन्होंने कहा कि उन्हें उसकी किसी अंतरराष्ट्रीय यात्रा की जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा विभाग में ऐसा कोई मिसाइल निरीक्षण कार्यक्रम उनकी जानकारी में नहीं था, जिसके लिए एलाबूडी को भेजा गया हो। एफबीआई के हलफनामे के मुताबिक, एलाबूडी की बातचीत एफबीआई के मुखबिर्ों ने रिकॉर्ड की थी। इसमें उसने कथित तौर पर बताया कि उसे यमन में गुप्त रूप से प्रवेश करना और वहां से बाहर निकलना पड़ा था। उसने यह भी कहा था कि वह राजधानी पहुंचकर सरकार के उच्च स्तर पर संपर्क स्थापित करना चाहता था। एफबीआई के अनुसार, हालांकि वह सना पहुंचने में सफल नहीं हो सका। एफबीआई ने बताया कि जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के बारे में तब जांच शुरू की, जब उन्हें पता चला कि उसी एसे एसे रसायन खरीदे थे इनमें एसिटोन और सोडियम बाइसल्फेट के अलावा ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले पुर्जे भी शामिल थे।

सचिन में A To Z अस्पताल के छठी मंजिल के रेजिडेंट रूम में आग, 5 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू



क्रांति समय

www.krantisamay.com

www.guj.krantisamay.com

www.epaper.krantisamay.com

www.rti.krantisamay.com

सूरत: सचिन-तलंगपुर स्टेशन रोड स्थित A To Z अस्पताल की छठी मंजिल पर बने रेजिडेंट रूम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। प्रारंभिक तौर पर AC के आउटडोर यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

आग की सूचना मिलते ही अस्पताल में भर्ती मरीजों,

उनके परिजनों और स्टाफ में हड़कंप मच गया।

अस्पताल के स्टाफ ने तत्काल 3 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, आग वाले कमरे में मौजूद दो महिलाएं और एक बच्चा भी समय रहते बाहर निकल गए। इसके चलते घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की करीब 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। आग से कमरे में रखा घरेलू सामान और फर्नीचर जलकर राख हो गया।

फिलहाल दमकल विभाग की ओर से कूलिंग की कार्रवाई जारी है। इसके बाद घटना को लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एलिवेशन ने बढ़ाई फायर ब्रिगेड की मुश्किल

A To Z अस्पताल आग: फायर ब्रिगेड की कार्रवाई में एलिवेशन से परेशानी, पहले भी अस्पताल को दी गई थी सूचना

क्रांति समय

www.krantisamay.com

www.guj.krantisamay.com

www.epaper.krantisamay.com

www.rti.krantisamay.com

सूरत: सचिन-तलंगपुर रोड स्थित A To Z अस्पताल की छठी मंजिल पर बने रेजिडेंट रूम में आग लगने के बाद अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आग की सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरू की।

फायर ऑफिसर के अनुसार, अस्पताल की बिल्डिंग के एलिवेशन के कारण फायर ब्रिगेड के वाहनों और फायर फाइटरों को आग वाली जगह तक पहुंचने तथा प्रभावी तरीके से पानी की बौछार करने में परेशानी हुई। इसके चलते आग बुझाने की कार्रवाई में बाधा आई।

एलिवेशन को लेकर पहले भी अस्पताल को सूचना देने का दावा

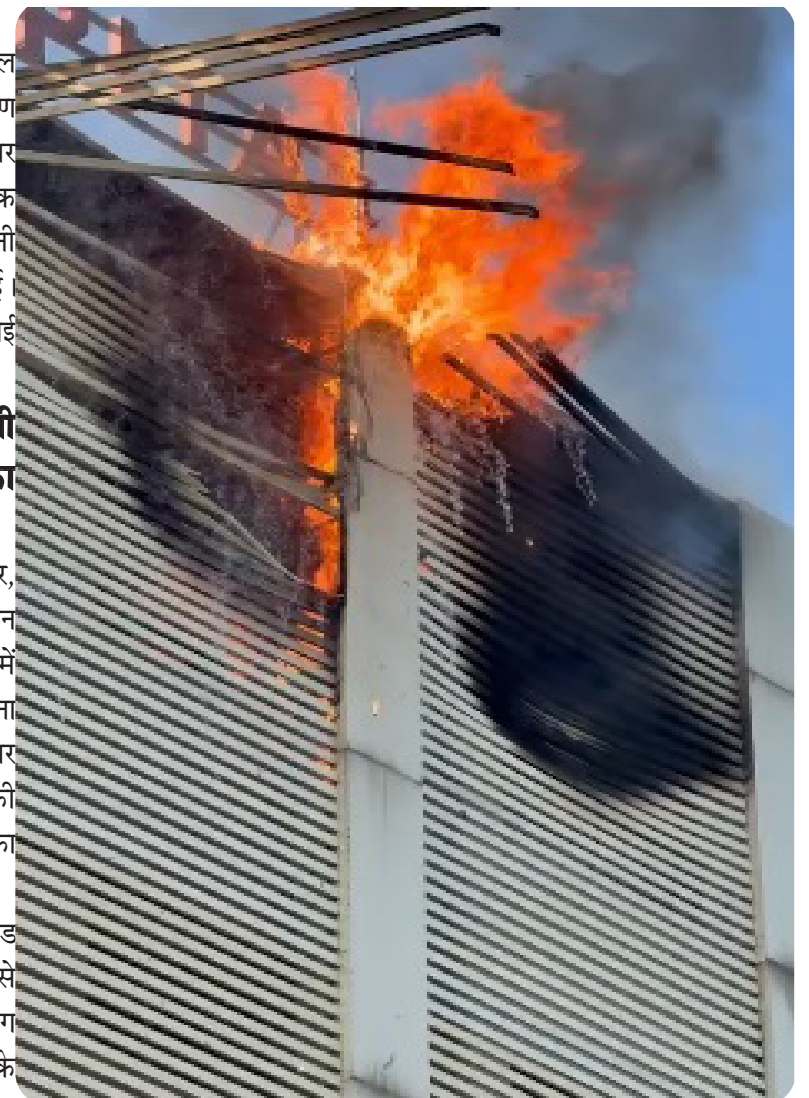
फायर अधिकारी के अनुसार, एलिवेशन के कारण फायर ऑपरेशन में होने वाली परेशानी के संबंध में पहले भी अस्पताल प्रबंधन को सूचना दी गई थी। इसके बावजूद इस मुद्दे पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की गई थी या नहीं, यह अब जांच का विषय है।

मुख्य सवाल यह है कि फायर ब्रिगेड के लिए बिल्डिंग तक आसानी से पहुंचने और ऊंचाई पर लगी आग के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के

लिए जरूरी फायर एक्सेस व्यवस्था पर्याप्त थी या नहीं।

आग के बाद फायर सेफ्टी ऑडिट की जरूरत
घटना के बाद अस्पताल की फायर एक्सेस, एलिवेशन और अन्य फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच किया जाना महत्वपूर्ण है। यदि फायर विभाग ने पहले कोई निर्देश या सूचना दी थी, तो उसका पालन हुआ था या नहीं, इसकी भी जांच की जा सकती है।

फिलहाल आग में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। अब फायर विभाग और प्रशासन की ओर से अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर नजर है।



सूरत लाजपोर मध्यस्थ जेल में सघन चेकिंग एक साथ 11 मोबाइल फोन बरामद

डीजीपी जेल एवं सुधारात्मक प्रशासन के आदेश के बाद

रात में विभिन्न यार्ड और बैरकों में तलाशी अभियान

क्रांति समय

www.krantisamay.com

www.guj.krantisamay.com

www.epaper.krantisamay.com

www.rti.krantisamay.com

सूरत की लाजपोर मध्यस्थ जेल में 2 अक्टूबर की रात जेल प्रशासन द्वारा अचानक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। रात 8:30 बजे से 10:40 बजे तक चली इस तलाशी के दौरान विभिन्न बैरकों और यार्ड से कुल 11 मोबाइल फोन बरामद होने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीजीपी जेल एवं सुधारात्मक प्रशासन के आदेश के बाद की गई तलाशी के दौरान C-8 बैरक से कुल 6 मोबाइल फोन बरामद हुए। इनमें C-8 के बाथरूम से 3 मोबाइल फोन और चार्जिंग स्थल से 2 मोबाइल फोन मिले। इसके अलावा, एक कैदी की तलाशी के दौरान भी एक मोबाइल



फोन बरामद किया गया।

तलाशी के दौरान बरामद मोबाइल फोन कैदी रामाकांत उर्फ भोला गहेजू रईदास के पास से मिला। उसके पास से मोटोरोला कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया गया।

इसके अलावा C-3 बैरक से कैचोड़ा कंपनी के 3 मोबाइल फोन तथा C-11 बैरक से कैचोड़ा कंपनी के 2 मोबाइल फोन बरामद हुए। इस प्रकार पूरे तलाशी अभियान के दौरान कुल 11 मोबाइल फोन जब्त किए गए।

FSL जांच के लिए भेजा जाएगा। मोबाइल फोन का इस्तेमाल किन कैदियों द्वारा किया जाता था, उनका उपयोग किस प्रकार किया गया तथा ये मोबाइल फोन जेल के अंदर कैसे पहुंचे, इसकी जांच की जा रही है।

इस पूरे मामले में जेल कर्मचारी या किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता थी या नहीं, इस दिशा में भी जांच की जाएगी। मोबाइल फोन जेल के अंदर पहुंचने के स्रोत और उनके इस्तेमाल से जुड़ी जांच के बाद आगे की जानकारी सामने आ सकती है। मामले में BNS की धारा 223 तथा प्रिजन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई किए जाने की जानकारी सामने आई है।